Attaching of ACC Sleeper Coach with K. K. Express

1228. SHRI S. KARIAH THOMAS:
SHRI G. M. BANATWALLA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state whether there is any proposal under consideration of Government to attach an A. C. C. Sleeper coach with the K. K. Express train and if so, from what date?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): One air-conditioned two tier sleeper coach is already running once a week, each, between New Delhi and Bangalore, and New Delhi and Trivandrum Central by 125/126 Karnataka-Kerala Express.

Electrification of Railway Lines in Kerala

1229. SHRI SKARIAH THOMAS:
SHRI V. M. SUDHEERAN:
SHRI G. M. BANATWALLA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government have finalised any plan for the electrification of Railway lines in Kerala State;

(b) if so, the names of the sections of the Railways which are likely to be electrified during 1977-78 and 1978-79 under this plan; and

(c) the funds earmarked for the purpose?

THE MINISTER OF RAILWAYS (PROF. MADHU DANDAVATE): (a) No.

(b) and (c). Does not arise.

Production of Crude from Bombay High

1230. SHRI SKARIAH THOMAS: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) estimated quantity which is daily produced from Bombay High; and

(b) whether in view of the indigenous production of crude from Bombay High, Government propose to reduce the prices of petroleum?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA): (a) 35,000 barrels per day.

(b) No, Sir.

उत्तर प्रदेश को मार्च में कोयले के रेकों की सप्लाई

1231. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश में वाराणसी, रायबरेली, लखनऊ, इलाहाबाद, मेरठ, आगरा और अलीगढ़ को मार्च में कोयले के कितने कितने रेक दिय गये :

(ख) सभी जिलों को नियमित रूप तथा समय पर कोयले के रेक सप्लाई करने के लिये क्या प्रबन्ध किय गये हैं ; और

(ग) क्या प्रत्येक जिले के लिये कोई कोटा निर्धारित किया गया है और यदि हां, तो यह कोटा निर्धारित करने में क्या मानदण्ड अपनाया गया है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) मार्च, 77 के दौरान इन स्टेशनों को आबंटित किये गये ईटों के भट्टों में जलाने वाले कोयले के रेकों की संख्या इस प्रकार है :–

स्टेशन का नाम	आबंटित किये गये रेकों की संख्या
1. वाराणसी	1 रेक
2. राय बरेली	1 रेक
3. लखनऊ	4 रेक
4. इलाहाबाद	1 रेक
5. मेरठ	6 रेक
6. आगरा	3 रेक
7. अलीगढ़	3 रेक

(ख) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बताये गये अनुसार उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के लिये मार्च और अप्रैल 77 के दौरान 98 और 125 रेकों की आवश्यकता की तुलना में क्रमशः 95.5 और 127.5 रेकों का आवंटन किया गया है। इस प्रकार आवश्यकता को पूरा कर दिया गया है।

(ग) जिलों की आवश्यकताएं राज्य सरकारों के द्वारा बताई जाती हैं जिसे रेलें पूरा करती है।

अधिनियमों का हिन्दी में अनुवाद

1232. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **विधि, न्याय और कम्पनी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद हो चुका है और कितनों का होना शेष है ;

(ख) इन अधिनियमों का अनुवाद करने के लिये क्या व्यवस्था की गई है तथा क्या इस उद्देश्य के लिये यह व्यवस्था पर्याप्त है ; और

(ग) वर्तमान अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद कब तक पूरा करने की योजना है ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री शान्ति भूषण) : (क) अभी तक 801 केन्द्रीय अधिनियमों का हिन्दी में अनुवाद किया जा चुका है। 81 अधिनियमों का अनुवाद करना बाकी है।

(ख) राजभाषा (विधायी) आयोग को 1 अक्टूबर, 1976 से समाप्त कर दिया गया था। उसके बाद केन्द्रीय अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद तैयार करने का कार्य विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय के विधायी विभाग के राजभाषा खंड को सौंपा गया है। यह व्यवस्था पर्याप्त पाई गई है।

(ग) कार्य को यथाशीघ्र अद्यतन करने के लिये भरसक प्रयास किया जा रहा है।

कृत्रिम रबड़ की मांग और उत्पादन

1233. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कृत्रिम रबड़ का वार्षिक उत्पादन कितना है और वह देश की कुल मांग का कितने प्रतिशत है ; और

(ख) किन-किन स्थानों पर तथा कितनी कितनी मात्रा में कच्चा माल उपलब्ध है और क्या इसका उत्पादन बढ़ाने के लिये कोई प्रयास किये जा रहे हैं और यदि हां, तो किस प्रकार।

पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) देश में संश्लिष्ट रबड़ के उत्पादन तथा खपत संबंधी आंकड़े वर्ष 1976-77 के (वास्तविक आंकड़े) और 1977-78 के (अनुमानित आंकड़े), संलग्न विवरण में दिये गये हैं।

(ख) देश में अब तक जिस एक मात्र संश्लिष्ट रबड़ का उत्पादन किया जा रहा था वह एस० बी० आर० टाइप रबड़ है और देश में नाइट्राइल रबड़ का उत्पादन अभी अभी आरम्भ किया गया है। पी० बी० आर० टाइप रबड़ के निर्माण हेतु एक संयंत्र का निर्माण किया जा रहा है। एस० बी० आर० टाइप के लिये अपेक्षित कच्चा माल अल्कोहल और बेंजिन हैं नाइट्राइल रबड़ के लिए एक्रीलोनीट्राइल और अल्कोहल तथा बेंजीन और पी बी आर टाइप रबड़ के लिये बूटाडीन अपेक्षित कच्चा माल है। देश में संश्लिष्ट रबड़ के उत्पादन के के लिये, जिन वर्तमान आवश्यकताओं की आवश्यकता है उन में से केवल एक्रीलोनी-